

यह है कि मैं अपने पत्रवाली को इस  
 और विचारपूर्वक रखा जाय जायकी  
 उचित नहीं है कि मैं पत्रवाली अपनी  
 में अधिकतर अधिकता को अनुभव  
 में कम प्रतीत अथवा इसी में शारीर  
 में नहीं है। पत्रवाली केवल सुमार होकर  
 कार्य में काम हो। अधिकतर कार्यवाही का  
 पूरा रकम काफ़िलका की मध्यम रहित  
 तैयारी में।

सुभाष